युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
अगस्त, 2013 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

अगस्त मास का चार्ट:
लक्ष्य – प्यूरिटी और यूनिटी।

बापदादा कहते हैं कि सफलतामूर्त बनने के लिए मुख्य दो विशेषतायें चाहिये एक प्यूरिटी और दूसरी यूनिटी। अगर प्यूरिटी में कमी है तो यूनिटी में भी कमी है। प्यूरिटी सिर्फ ब्रह्मचर्य व्रत नहीं परंतु संकल्प, स्वभाव, संस्कार में भी प्यूरिटी अर्थात् एक-दूसरे के प्रति ईर्ष्या या घृणा का संकल्प है तो वह प्यूरिटी नहीं, इमप्यूरिटी कहेंगे। यूनिटी अर्थात् संस्कार-स्वभाव के मिलन की यूनिटी। कोई का संस्कार और स्वभाव न भी मिले तो भी कोशिश करके मिलाओ। यह है यूनिटी। सिर्फ संगठन को यूनिटी नहीं कहेंगे।

तो आईए, हे प्यूरिटी और यूनिटी के महान व्रतधारी आत्माएं, अपने निज जीवन से आत्माओं को सफलता के महा मंत्र का साक्षात्कार कराओ।

विधि :

सप्ताह	दिव्य दर्पण का पुरुषार्थ
पहला	संकल्प
दूसरा	बोल
तीसरा	कर्म
चौथा	स्वभाव-संस्कार

हर सप्ताह में जो लक्ष्य दिया है उस पर चिन्तन करके 10 लाईन कम से कम लिखनी है। फिर सारे दिन में उसे धारण करने का अभ्यास करना है। रोज रात को चेक करना है कि क्या बापदादा चाहते हैं वैसे ही हमने प्यूरिटी और यूनिटी को अपनाया है? कितना % और अनुभव लिखना है।

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1.गुड मॉर्निंग - 3.30 2.अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में 3.व्यायाम/पैदल- हाँ जी
4.ट्रैफिक कन्ट्रोल- 5 5.मुरली क्लास - क्लास में सुनी 6.अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7.स्वमान की स्मृति -बहुत अच्छी 8.नुमाशाम का योग- हाँ जी 9. प्यूरिटी और यूनिटी - 50%
10.गुड नाइट- रात्रि 9.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बाँधेंगे:

1. परचिन्तन और परदर्शन से मुक्त रहेंगे।
2. किसी भी आत्मा की ग्लानि नहीं करेंगे।

- अभ्यास: हर घण्टे पवित्रता का सूर्य बन सारे विश्व में किरणें फैलानी है।

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंट्स लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें।

❖ स्वमान:

1. मैं आत्मा पवित्र स्वरूप हूँ।	16. मैं आत्मा कमलआसनधारी हूँ।
2. मैं आत्मा पवित्र सितारा हूँ।	17. मैं आत्मा पवित्र ब्राह्मण हूँ।
3. मैं आत्मा परम पवित्र हूँ।	18. मैं आत्मा पवित्रता का फरिश्ता हूँ।
4. मैं आत्मा पवित्रता का सूर्य हूँ।	19. मैं आत्मा पवित्र मणी हूँ।
5. मैं आत्मा परम पवित्र परमात्मा की सन्तान हूँ।	20. मैं आत्मा पवित्र श्रृंगारधारी हूँ।
6. मैं आत्मा पवित्रता की देवी/देव हूँ।	21. मैं आत्मा संम्पूर्ण निर्विकारी हूँ।
7. मैं आत्मा पवित्र ताजधारी हूँ।	22. मैं आत्मा निअंहकारी हूँ।
8. मैं आत्मा पवित्रता का अवतार हूँ।	23. मैं आत्मा निर्मोही हूँ।
9. मैं आत्मा पवित्र राज्यधिकारी हूँ।	24. मैं आत्मा निष्काम सेवाधारी हूँ।
10. मैं आत्मा सम्पूर्ण सतोप्रधान हूँ।	25. मैं आत्मा ईच्छा मात्रम् अविद्या हूँ।
11. मैं आत्मा पवित्र देवात्मा हूँ।	26. मैं आत्मा ईष्ट हूँ।
12. मैं आत्मा पूजनीय हूँ।	27. मैं आत्मा पुण्यात्मा हूँ।
13. मैं आत्मा पवित्रता की मूर्ति हूँ।	28. मैं आत्मा सच्चा सोना हूँ।
14. मैं आत्मा पूर्वज हूँ।	29 मैं आत्मा बेदाग हीरा हूँ।
15. मुझ आत्मा का स्वधर्म पवित्रता है।	30. मैं आत्मा मा.पवित्रता का सागर हूँ।
	31. मैं आत्मा पवित्रता का पूंज हूँ।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में निम्नलिखित पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है। अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में जरूर से लिखें:

नाम:_____ सेन्टर का नाम:_____ DiDar No:_____

गुड मॉर्निंग-90%	**अमृतवेला-75%**
व्यायाम/पैदल-80%	**ट्रैफिक कन्ट्रोल-90%**
मुरली क्लास-90%	**नुमाशाम का योग-80%**
स्वमान की स्मृति-75%	**अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%**
प्योरिटी और यूनिटी -50%	**गुड नाइट-95%**

चार्ट: OK या ~~OK~~ **टीचर के हस्ताक्षर**

मैं मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में जुड़ना चाहता हूँ।